फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 215 प्रभात जयपुर, मंगलवार 10 मार्च, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

No, Wolves Don't Howl At The Moon

'Alpha wolves' are actually just parents, Mech explains, and the other pack members are their offspring. Wolves often mate for life, and their family unit can include a mix of juveniles and young adults

Sanctified Onions

Mauryan Measurement System and Its Harappan Legacy

ममता बनर्जी ''सशर्त'' लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को समर्थन देने को तैयारी हुई

ममता बनर्जी की शर्त है कि विपक्ष साथ ही साथ मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मार्च। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद, अब विपक्ष भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने (महाभियोग चलाने) की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है।

ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस इस बात पर अड़ी हुई है कि एक कड़ा मैसेज दिया जाना चाहिए कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनका विश्वास खो दिया है और अब उनका पद पर बने रहना नामुमकिन हो गया है और उन्हें हटाया जाना चाहिए।

सुबह हुई विपक्ष की बैठक में तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि वह लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने को तैयार है, लेकिन साथ ही वह मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भी चाहती है।

- विपक्ष ने ममता जी की शर्त को स्वीकार कर लिया है।
- विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव के लिये सांसदों के हस्ताक्षर इकट्ठे करने शुरु कर दिए हैं, क्योंकि चुनाव आयुक्त को हटाने के प्रस्ताव को संसद में पेश करने के लिये उस प्रस्ताव पर 100 लोकसभा के सदस्यों वे 50 राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।
- राहुल गांधी ने कहा, प्र.मंत्री मोदी ''ब्लैक मेल'' के शिकार हैं, अतः वे वो निर्णय नहीं ले पा रहे हैं, जो देश के हित में हैं।
- चुनाव आयुक्त के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव में यह आरोप लगाया जा रहा है कि मतदाता सूची में भाजपा को मदद करने की दृष्टि से मतदाताओं के नाम काटे गए हैं।

विपक्षी दल इस पर सहमत हो गए हैं और प्रस्ताव के लिए हस्ताक्षर जुटाने तथा नोटिस तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

विपक्ष जानता और समझता है कि सरकार के पास संख्या बल होने के कारण, इससे कोई ठोस परिणाम शायद न निकले। लेकिन ममता दीदी असहमति का एक मजबूत संदेश देना चाहती हैं। वे यह संदेश देना चाहती हैं कि विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के व्यवहार और उन तरीकों से सहमत नहीं है, जिनके जरिए कथित रूप से उनके मतदाताओं के नाम हटाए गए, सत्तारूढ़ भाजपा को फायदा पहुंचाया गया और सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्य में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर अघोषित रोक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 9 मार्च। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर अब राजस्थान में दिखने लगा है। तेल कंपनियों ने रसोई गैस के घटते स्टॉक को देखते हुए कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की डिलीवरी पर अघोषित रोक लगा दी है। एजेंसियों को मैसेज करके कॉमर्शियल सिलेंडर के ऑर्डर नहीं लगाने के आदेश दिए हैं। केवल घरेलू उपयोग के सिलेंडर की डिलीवरी पर ही फोकस करने के लिए कहा गया है। कंपनियों ने देर रात ये निर्देश जारी किए है।

- तेल कंपनियों ने गैस एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि केवल घरेलू सप्लाई पर फोकस करें।

कंपनियों के इस निर्णय का असर अब औद्योगिक इकाइयों, रेस्टोरेंट्स और होटलों पर पड़ेगा। वहीं सावे शुरू होने के कारण शादी-समारोह में भी गैस सप्लाई की किल्लत देखने को मिल सकती है। तेल कंपनियों के ''सब कुछ सामान्य'' के दावों के बीच अब आगामी निर्देशों तक कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई रोकने के लिए कहा है।

नाम न छापने की शर्त पर एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ''गलत'' फोटो के मार्फत प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगा रही है तृणमूल?

एल.के. अडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के समारोह की यह फोटो बन रही है इस विवाद का कारण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की हाल की पश्चिम बंगाल यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच टकराव और तेज हो गया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने प्रधानमंत्री पर दो साल पुरानी एक तस्वीर को लेकर निशाना साधा है, जिसमें वे बैठे हुए दिख रहे हैं जबकि राष्ट्रपति खड़ी हैं। इसके जवाब में भाजपा ने फैक्ट-चेक जारी करते हुए कहा कि तृणमूल की फेक न्यूज फैक्ट्री गलत जानकारी फैला रही है।

तृणमूल ने एक जनसभा में ममता बनर्जी के बयान का छोटा वीडियो साझा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के पद का सम्मान करने के बड़े-बड़े दावे करते रहते हैं। इस तस्वीर को ध्यान से देखिए। देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति खड़ी हैं, जबकि प्रधानमंत्री आराम से अपनी कुर्सी पर बैठे हैं। राष्ट्रपति के सम्मान की सारी बातें तब खोखली लगती हैं, जब तस्वीर में उनके पद के प्रति इतनी लापरवाही दिखाई देती है।

- ममता बनर्जी का आरोप है कि इस फोटो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी आराम से कुर्सी पर बैठे हुए हैं जबकि राष्ट्रपति खड़ी हुई हैं।
- भाजपा ने इसका खण्डन करते हुए कहा है कि भारत रत्न अलंकरण समारोह का एक प्रोटोकॉल होता है, जिसमें राष्ट्रपति पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार देती हैं और बाकी सब बैठे रहते हैं।

वीडियो में तृणमूल के दो नेता एक तस्वीर पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर 31 मार्च 2024 को ली गई थी, जब राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने आडवाणी से मुलाकात की थी और उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया था।

ममता बनर्जी ने कहा, माननीय प्रधानमंत्री, यह आपके लिए है। क्या आप राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं, जो एक महिला और आदिवासी नेता हैं? फिर राष्ट्रपति खड़ी क्यों हैं और आप बैठे क्यों हैं? मैंने आप सबको दिखा दिया कि हम राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं, लेकिन वो नहीं करते। यह तस्वीर साबित करती है कि कौन सम्मान करता है और कौन नहीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर चुनाव से पहले बंगाल पर ''वोट बर्ड'' की तरह हमला करते हैं और ''जो मन में आता है, कह देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने आपके ट्वीट का जवाब दिया था कि जिस कार्यक्रम में राष्ट्रपति आई थीं, उसका आयोजन हमने नहीं किया था। वह एक निजी संगठन ने आयोजित किया था। राज्य सरकार ने कहा था कि उस संगठन में राष्ट्रपति के लिए कार्यक्रम आयोजित करने की क्षमता नहीं है। उन लोगों ने हमें इसमें शामिल नहीं किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन ने ईरान के सुप्रीम लीडर को बधाई दी

उन्होंने अमेरिका -इज़रायल के खिलाफ चल रहे युद्ध में पूर्ण समर्थन देने का वादा भी किया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 मार्च। बिल्कुल स्पष्ट रुख अपनाते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने आज अमेरिका और इज़रायल के खिलाफ युद्ध में ईरान को अपने देश का अडिग समर्थन देने की बात कही और साथ ही नए चुने गए सर्वोच्च ईरानी नेता मोजतबा खामेनेई को बधाई दी।

पुतिन ने कहा कि वे तेहरान के लिए रूस के अडिग समर्थन और हमारे ईरानी मित्रों के साथ एकजुटता की पुष्टि करना चाहते हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने मोजतबा खामेनेई से कहा कि उनके पिता आयतुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका-इज़रायल हमलों में हुई हत्या के बाद, ईरान के सर्वोच्च नेता के रूप में उनका कार्यकाल बहुत साहस और समर्पण की मांग करेगा।

क्रेमलिन के अनुसार, पुतिन ने कहा, ''ऐसे समय में, जब ईरान सशस्त्र आक्रमण का सामना कर रहा है, इस उच्च पद पर आपके प्रयासों के लिए निस्संदेह बहुत साहस और समर्पण की आवश्यकता होगी। मुझे विश्वास है कि आप अपने पिता के कार्य को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाएंगे और इस कठिन परीक्षा के समय ईरानी जनता को एकजुट करेंगे।''

- चीन ने भी ईरान की नई हुकूमत को समर्थन दिया और कहा कि नए आयतुल्ला पर किसी भी तरह के अमेरिकी -इज़रायली हमले का विरोध करेगा।
- चीन ने कहा कि नए आयतुल्ला के चुनाव का फैसला ईरान का आंतरिक मामला है और विदेशी ताकतों का इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

रूसी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि रूस हमेशा इस्लामिक रिपब्लिक का एक भरोसेमंद पार्टनर बना रहेगा। उन्होंने कहा, ''मेरी ओर से मैं फिर से तेहरान के लिए हमारे अडिग समर्थन और हमारे ईरानी मित्रों के साथ एकजुटता की पुष्टि करना चाहता हूं। रूस इस्लामिक रिपब्लिक का भरोसेमंद पार्टनर रहा है और आगे भी रहेगा।''

पिछले सप्ताह पुतिन ने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन से भी बात की थी और सर्वोच्च नेता खामेनेई की हत्या पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की थी।

पुतिन ने तुरंत युद्धविराम के पक्ष में रूस के सिद्धांतगत रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि ईरान से जुड़े किसी भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 5 चीता शावकों का जन्म

श्योपुर, 09 मार्च। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने सोमवार को पांच शावकों को जन्म दिया। इसके साथ ही, अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़ कर 53 हो गई है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

- अब भारत में चीतों की संख्या बढ़कर 53 हो गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया पर इस जानकारी को साझा करते हुए इसे प्रोजेक्ट चीता और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि कूनो में आने के बाद ज्वाला ने यहां के वातावरण को पूरी तरह अपना लिया है और वह पार्क की सबसे सफल मादा चीतों में शुमार हो गई है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान व इज़रायल -अमेरिका के बीच लंबा युद्ध भारत के लिए गंभीर समस्या बनेगा

भारत परंपरागत रुप से 88 प्रतिशत तेल आयात करता है, जिसमें से 40 प्रतिशत ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़'' के माध्यम से आता है जो अभी अवरुद्ध है

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 मार्च। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने चेतावनी दी है कि मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष वैश्विक महंगाई का खतरा पैदा कर सकता है। इसी बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने आज संसद को बताया कि भारत के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का कुल भंडारण इतना है कि वह लगभग 74 दिनों तक चल सकता है।

सरकार ने तेल आपूर्ति में संभावित बाधा के खतरे को कम करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। इनमें ओडिशा के चांदीखोल और कर्नाटक के पदूर में दो तेल भंडारण सुविधाओं की स्थापना का काम तेजी से आगे बढ़ाना शामिल है। इस बढ़ोतरी से 12 दिनों के इम्पोर्ट के बराबर तेल रिज़र्व बढ़ने की संभावना है। केन्द्र सरकार ने कच्चे तेल के आयात

- हालांकि, तेल व प्राकृतिक गैस मंत्री, हरदीप सिंह पुरी इन आशंकाओं को हवा नहीं देने की कोशिश में बयान जारी कर रहे हैं कि ''भारत को उन रास्तों से बराबर तेल मिल रहा है जो ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़'' से होकर नहीं जाते हैं। भारत तेल आयात के मामले में एक आरामदायक स्थिति में है।''
- परंतु युद्ध के कारण हुई तेल के दामों में वृद्धि अभी से ही देखी जा सकती है। ''ब्रेंट क्रूड'' की दर नौ प्रतिशत बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। वहीं एलएजी की दर 50 प्रतिशत तक बढ़ गई है।
- पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने तेल की बढ़ती दर को देखते हुए पैट्रोल के दाम 20 प्रतिशत बढ़ाए हैं और डीज़ल के दाम 55 पाकिस्तानी रुपए कर दिए हैं।

के स्रोतों को विविध बनाने की पहल भी की है, ताकि संघर्ष वाले क्षेत्रों से बचते हुए आयात किया जा सके। इसके साथ ही बड़े तेल उत्पादक देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, जैसे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी, पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच के साथ कूटनीतिक संपर्क मजबूत करने की पहल भी की जा रही है।

इसके बावजूद वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि मध्य पूर्व में लंबा संकट व्यापक आर्थिक असर डाल सकता है, जिसमें एक्सचेंज रेट पर दबाव और महंगाई में बढ़ोतरी शामिल है। फरवरी में जारी मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार, इस संघर्ष ने पहले ही होर्मुज़ स्ट्रेट से शिपिंग को प्रभावित किया है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता है। रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 9 प्रतिशत बढ़कर करीब 80 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई हैं, जबकि एलएनजी की कीमतें करीब 50 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। अभी भारत पर इसका पूरा असर नहीं पड़ा है, लेकिन पड़ोसी पाकिस्तान को झटका लगा है। हाल ही में इस्लामाबाद ने पेट्रोल और हाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडोनेशिया भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा

नई दिल्ली, 09 मार्च। इंडोनेशिया ने भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए समझौता किया है। यह जानकारी इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार को समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दी। इस सौदे की अनुमानित कीमत करीब 3,800 करोड़ रुपये यानी करीब 450 मिलियन डॉलर बताई जा रही है।

- इस सौदे की अनुमानित कीमत 3,800 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिकॉ रिकार्डो सिरैत ने कहा कि यह समझौता देश की सैन्य क्षमताओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प चाहते थे कि उनकी ''पुष्टी'' अनिवार्य हो, ईरान का नेता चुनने के लिये

पर ईरान ने मोजतबा खामेनेई को सुप्रीम कमाण्डर बनाने की घोषणा कर ट्रम्प की पूरी किरकरी की

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 मार्च। ईरान इस समय एक बहुत ही सावधानी और चतुराई से भरा खेल खेल रहा है, जो अमेरिकी व्यवस्था को सीधे चुनौती दे रहा है।

तेजी से हुए घटनाक्रमों के बीच ईरान ने अपने नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की घोषणा की है, जो पहले मारे गए सर्वोच्च नेता अली खामनेई के बेटे हैं। नए नेता की यह नियुक्ति अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के लिए खुली चुनौती के रूप में देखी जा रही है।

ट्रंप ने पहले इच्छा जताई थी कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता के चयन में उनकी भी भूमिका होनी चाहिए। उन्हें लगा कि इसके लिए उनकी मंजूरी की जरूरत है। लेकिन ईरान की व्यवस्था ने बिना किसी देरी के नए नेता का चयन कर लिया, जिन्हें आम ईरानियों का उत्साही समर्थन भी मिला है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने समय गँवाये बिना तुरंत नए नेता का स्वागत किया और उन्हें पूरा समर्थन देने की बात कही। यह कदम भी अमेरिकी राष्ट्रपति के उस विश्वास को चुनौती देता है कि दुनिया में नेताओं के चयन के लिए उनकी व्यक्तिगत मंजूरी जरूरी है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी नए नेता का स्वागत करते हुए कहा कि किसी भी देश में नेता का चयन उसका आंतरिक मामला होता है।

इसी बीच, पश्चिम एशिया के तेल संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचने के कारण तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति

- रुस व चीन ने भी नए सुप्रीम कमाण्डर का खुला स्वागत किया और अपना पूर्ण समर्थन देने की बात कहते हुए यह भी कहा कि अपने देश का सुप्रीम कमाण्डर का चयन किसी भी देश का ''आन्तरिक'' मामला है।
- साथ ही अमेरिका के लिए नई समस्या है, युद्ध भूमि में मारे गए अमेरिकी सैनिकों के शव अब अमेरिका पहुंचने लगे हैं और ट्रंप इन शवों के आने से उत्पन्न अमेरिकावासियों की नाराज़गी बर्दाश्त नहीं कर पायेंगे।
- इस तीव्र व तीखी प्रतिक्रिया से अमेरिका व इज़रायल के सम्बंधों में भी दरार आने लगी है।
- अमेरिका अब इज़रायल पर दबी जुबान में नाराज़गी जताने लगा है। उसका कहना है कि इज़रायल इतनी भारी बमबारी करेगा, उन्हें उम्मीद नहीं थी तथा सिविलिपन इन्फस्ट्रक्चर पर बमबारी के कारण, ईरानी नागरिक अब अमेरिका के पूरी तरह खिलाफ होने लगे हैं और वर्तमान सरकार के पक्ष में खड़े होने लगे हैं। इस घटनाक्रम से अमेरिका की नाराजगी बनी है इज़रायल के प्रति, क्योंकि अमेरिका के पास कोई विकल्प नहीं है, स्थिति को ठण्डा करने के लिये।

बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर पहुंच गई हैं। इसके कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है और कीमतों में तेज वृद्धि की आशंका है। यदि यह स्थिति जारी रहती है तो कई देशों को आर्थिक संकट या शटडाउन जैसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका और इज़रायल को शायद इस बात की उम्मीद नहीं थी कि युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिम एशिया के क्षेत्रीय देशों पर इतने बड़े पैमाने पर हमले होंगे। इन हमलों और क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को हुए नुकसान से अमेरिका-इज़रायल गठजोड़ को काफी क्षति हुई है।

आज अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्वीकार किया कि कुछ अमेरिकी सैनिकों और अन्य लोगों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोजतबा खामेनेई के समर्थन में हजारों लोग एकत्रित हुए

तेल अवीव/तेहरान, 09 मार्च। इजरायल ने आज ईरान के कई हिस्सों पर ताबड़तोड़ हमले करने शुरू कर दिए। ये हमले तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी ईरान पर किए गए। हमले की घोषणा तब की गई, जब ईरान से नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के समर्थन में हजारों लोग तेहरान के सेन्ट्रल चौक पर जमा हुए थे।

- मोजतबा के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के साथ करीबी रिश्ते रहे हैं व उनका ईरान की पॉलिटिक्स में पर्दे के पीछे बहुत असर है।

इजरायल की डिफेंस फोर्स ने इस संबंध में एक बयान जारी कर कहा, आईडीएफ ने अभी तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी ईरान में आतंकी शासन के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)